

মোর বুক ভরা ছিল আশা  
 প্রাণ ভরা ভালোবাসা  
 হায় আডসিল সে যবে কাছে মুখে সরিল না ভাষা ॥

আমি পেয়েছিলাম তায় একা  
 ছিল চোখে তাহার প্রেম-লেখা  
 তবু বলিতে পরিনি তারে  
 কাঁদে প্রাণে কি দুরাশা ॥

এসে ভরা নদীর তীরে  
 পান না করিয়া বারি  
 আমি আসিলাম ফিরে  
 ছিল তৃষ্ণা-কাতর এ প্রাণে মরুভূমির পিয়াসা ॥

টুইন এফ.টি ৩৪৩৬ • শিল্পী : মিস সত্যবতী • রাগ : পাহাড়ী মান্দ • তাল : কাহারবা

শেয়র

সী	সী	সী	সী	-া	না	-সী	না	-ধা	ধা	-না	না	-সী	-া	-া	-া
মোর	বুক	ভ	রা	০	ছি	০	ল	০	আ	০	শা	০	০	০	০
সী	গর্ব	র্বা	-সী	সী	সী	নসী	-রসী	না	ধা	-া	-া	-দধা	-নসী	-া	-া
প্রাণ	ভ০	রা	০	ভা	লো	বাং	০০	সা	০	০	০	০০	০০	০	০
সী	গর্ব	র্বা	-সী	সী	সী	নসী	-রসী	না	-ধা	-ধা	-ধা	-দধা	-দধনসী		
প্রাণ	ভ০	রা	০	ভা	লো	বাং	০০	সা	০	০	০	০০	০০	০০০০	
-ধনসী	-ননধনধা	-া	ধা	-া	{গা	ধা	পা	মা	গা	রা	-গা	সরা	-গমা		
০০০	০০০০০	০	হা	য়	আ	সি	ল	সে	য	বে	০	কা০	০০		

-গরা      রা      -ঁ      -ঁ      (সরা      -মপা      -ধৰ্সা      -গা)}      ধা      ধা  
০০      ছে      ০      ০      হাং      ০০      ০০      য      মু      খে

I{ -ঁ ধা ধা শ্বণা | ধা -পা মা -গা I গা -মা -গমা -পা | -মপা -ধা ধা ধা }I  
০ স রি ল      না ০ ভা ০      ষা ০ ০০ ০      ০০ ০ মু খে

I -ঁ ধা ধা শ্বণা | ধা -পা মা -ঁ I গমা -পধা -ন্সা -পধা | সা -ঁ -ঁ -ঁ I  
০ স রি ল      না ০ ভা ০      ষাং ০০ ০০ ০০      ০ ০ ০ ০

শেয়র :

সা সা - গা গা গা গা - রী - গী ু - রী - সা - ধা - ধৰ্সা ধৰ্সা - না  
আ মি ০ পে যে ছি লা ম্ তা ০ ০ ০ ০ ০ ০ য় এ০ কা০ ০ ০

সা -সা -ঁ রী রী রী সৰী -ঁ -ঁ - রী গৰী -সৰগী গী -রী  
ছি ল ০ চো খে তা হাং ০ ব্ প্ৰে ম০ ০০০ লে ০

গা রী সা - ন্সা -নধা -দধা -সা - না - না - না সা সা -  
খা ০ ০ ০ ০০ ০০ ০০ ০ ০ ০ ০ ০ ছি ল ০

সা ন্সা -ৱৰ্গা রী সা - ন্সা -ৱৰ্গা ন্সা -ৱৰ্সা নধা - নধা -  
চো খে০ ০০ তা হা ব্ প্ৰে লে০ ০০ খাং ০ ০ ০ ০

-ননা -ধদা -ধা -ঁ - না - ধা ধা - না গা ধা পা মা গা রা -গা  
০০ ০০ ০ ০ ০ ০ ত বু ০ ব লি তে পা রি নি ০

সৱা গমা গৱা রা -ঁ - না - ধা ধা  
তাং ০০ ০০ রে ০ ০ কঁ দে

I{ -ঁ ধা - শ্বণা | ধা -পা মা গা I গা -মা -গমা -পা | -মপা -ধা ধা ধা }I  
০ প্রা ০ ণে কি ০ দু রা ষা ০ ০০ ০ ০ ০ ০ কঁ দে

I -ା ଧା -ା ଶ୍ରୀ | ଧା -ପା ମା -ା I ଗମା -ପଥା -ନ୍ତ୍ତା -ର୍ତ୍ତା | ନଥା -ପମା -ଗରା ସା I  
o ପ୍ରା o ଣେ କି o ଦୁ o ରାo 00 00 00 00 00 00 ଶା

ଶୈଯର :

ଗା ଗା ଗା ଗା ଗା ରଗା -ମଗା -ରସା ରା ଶ୍ରୀ ଗା -ା -ା ପା -ା  
ଏ ସେ ଭ ରା ନ ଦୀo 0 00 ର ତୀ ରେ o o ପା ନ

କ୍ଷା ପା କ୍ଷା ପା -ା -ା -ମଗା ଗା -ମା -ଗମା -ଧା ପା -ା -ା  
ନା କ ରି ଯା o o 00 ବା o 00 o ରି o o

ଗା ମା ପା ମା -ା ଧନ୍ତ୍ତା -ନା -ଧପଥା -ା ନଥା -ନା ଧପା -ା -ା  
ଆ ମି ଆ ସି o ଲାo 00 000 ମ ଫିo 0 ରେo o o

ର୍ତ୍ତ ର୍ତ୍ତ -ା ର୍ତ୍ତ ର୍ତ୍ତ ନା -ର୍ତ୍ତ -ା ଧା ଧା -ନା ନା -ର୍ତ୍ତ -ା -ା ର୍ତ୍ତ ର୍ତ୍ତ  
ଛିଲ ତ ଶ ନା କା ତ o ର ଏ ପ୍ରା o ଣେ o o o ଛି ଲ

ର୍ତ୍ତ -ା ନ୍ତ୍ତା -ର୍ଗ ରୀ ର୍ତ୍ତ -ା ର୍ତ୍ତ ନ୍ତ୍ତା -ର୍ଗ ନଥା -ା -ା -ପଥା  
ତ ଶ ନାo 00 କା ତ ର ଏ ପ୍ରାo 00 ଣେo o o 00

-ପମା -ଧପା -ମଗା -ମା -ଗମା -ପଥା -ମପା -ା -ଗା -ସରା -ସା -ା -ା  
00 00 00 o 00 o 00 o 0 o 00 o o o o

I { -ା ଧ ଧା ଶ୍ରୀ | ଧା -ପା ମା ଗା I ଗା -ମା -ଗମା -ପା | -ମପା -ଧା ଧା ଧା }I  
o ମ ର ଭ ମି ର ପି ଯା ସା o 00 o 00 o ଛି ଲ

I -ା ଧା ଧା ଶ୍ରୀ | ଧା -ପା ମା ଗା I ଗମା -ପଥା -ନ୍ତ୍ତା -ପଥା | -ର୍ତ୍ତ -ା -ା II II  
o ମ ର ଭ ମି ର ପି ଯା ସାo 00 00 00 o o o o